VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1057)

Name of Candidate	गौरव कुमार त्रिपाठी		
Medium Hindi/Eng.	हिन्दी	Registration Number	89080
Center	आनलाईन	Date	30/July/2018

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN questions** printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा **अंग्रेजी और हिन्दी** में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

M-1/4, Plot No-A-12/13, 1st Floor, Ansal Building, Dr. Vidya Sagar Homoeopathic Clinic, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

Scanned by CamScanner

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** Self doubt can both help and hinder leadership. Discuss with examples. **10**
आत्म सन्देह नेतृत्व में सहयोग तथा बाधा दोनों उत्पन्न कर सकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

"आत्म संदेह" व्यक्ति के द्वारा किसी कार्य को अपनी क्षमता से बाहर समझना है। यह नेतृत्व में सहयोग तथा बाधा दोनों उत्पन्न कर सकता है।

→ सहयोग :- इससे निचले स्तर के कर्मचारियों को नेतृत्व में भूमिका निभाने का मौका मिल सकता है जो अच्छे नेतृत्व कर्ता बन सकते हैं। (उदा० - महेन्द्र सिंह धोनी।)

→ निर्णय अधिक भागीदारी के आधार पर लिये जाने तथा वस्तुनिष्ठता के अधिक आसार होंगे।

→ रिस्क टेकिंग अप्रोच नहीं लगायी जायेगी जिससे नुकसान कम होगा।

नेतृत्व मे बाधा : नेतृत्व कर्ता में आत्म संदेह पूरे समूह को संशय मे डाल सकता है।

→ यह नवाचार तथा लचीलेपन को बाधित करता है तथा बदलते आर्थिक एवं सामाजिक परिदृश्य में

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संगठन के पिछड़ने हेतु जिम्मेदार हो सकता है।

→ आत्म संदेह से युक्त व्यक्ति के निर्णय के गलत होने की संभावना अधिक रहती है।

→ किसी तात्कालिक कार्य में (जैसे- सीमा पर सेना, अथवा वैज्ञानिक प्रयोग में लगे लोग) आत्म संदेह से अधिक नुकसान प्राप्त कर सकते हैं।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Bring out the significance of probity in public life. What are the requisites for ensuring probity in governance? Pointing out the key concerns in India in this context, suggest certain remedial measures. 10

सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी (probity) का महत्व दर्शाइए। शासन में ईमानदारी सुनिश्चित करने की क्या अपेक्षाएं हैं? इस संदर्भ में भारत में प्रमुख चिंताओं का उल्लेख करते हुए, कुछ उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

ईमानदारी से तात्पर्य अपने पद के कर्तव्यों, दायित्वों तथा पदानुक्रम का सही ढंग से पालन करना है। सार्वजनिक जीवन में महत्व :

→ भ्रष्टाचार की समस्या नहीं।
→ निर्णय लेने में अधिक पारदर्शिता एवं खुलापन।
→ संगठन के कर्मियों एवं सेवा प्राप्त कर्ताओं के द्वारा अधिक विश्वासप्राप्त।
→ गलती होने पर भी उसको स्वीकार करना तथा पुनरावृत्ति पर रोक।

शासन में ईमानदारी सुनिश्चित करने की अपेक्षाएं। (Requisites)

→ कर्मचारियों तथा अधिकारियों में प्रशिक्षण के द्वारा नैतिक मूल्यों का समावेशन।
→ अधिक स्वतंत्रता तथा राजनीतिक दबाव की कमी।
→ शासन में अधिक से अधिक जनभागीदारी तथा पारदर्शिता;

Scanned by CamScanner

→ विवेकाधीन शक्तियों में कमी तथा जवाबदेही (अपने कार्यों के प्रति)

चिंताएं तथा	उपचारात्मक उपाय :
- नवाचार की कमी	- नवाचार को प्रोत्साहित किया जाये, तकनीक दक्षता बढ़ानी होगी
→ कार्यालयी उदासीनता	- प्रशिक्षण तथा समयबद्ध मूल्यांकन पर जोर
→ निष्पादन मे देर	- निष्पादन आधारित वेतन प्रणाली।
→ प्रतिस्पर्धा का अभाव	→ गैर सरकारी क्षेत्र का एकाधिकार खत्म हो

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) While the corrupt and dishonest should be punished swiftly, honest public servants need to be protected against malicious and motivated complaints to enhance efficiency and effectiveness of an organisation. Discuss. How can the two objectives be reconciled? **10**

जहाँ भ्रष्ट और बेईमान को तत्काल दंडित किया जाना चाहिए, वहीं किसी संगठन की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु दुर्भावनापूर्ण और अभिप्रेरित शिकायतों से ईमानदार लोक सेवकों की सुरक्षा की जानी चाहिए। चर्चा कीजिए। इन दो उद्देश्यों के बीच किस प्रकार सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है?

वर्तमान समय में शासन से लोगों की अपेक्षायें बढ़ी हैं। निरंतर बढ़ते भ्रष्टाचार की घटनायें (2जी० स्पेक्ट्रम, बोफोर्स इत्यादि) शासन से जनता का भरोसा कम कर सकती हैं। अतः भ्रष्ट एवं बेईमान को तत्काल दंडित किया जाना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर बार-बार शिकायतें जो कि दुर्भावनापूर्ण हैं, किसी संगठन के कर्मियों में कार्य करने में होने वाली मानवीय भूलों के प्रति भी डर के कारण अनिच्छा को जन्म दे सकता है। जिससे संगठन की दक्षता एवं प्रभावशीलता बनाये रखने हेतु ऐसी शिकायतों से सिविल सेवकों की सुरक्षा की जानी चाहिए।

→ दोनों के मध्य सामंजस्य के उपाय।

→ ईमानदार सिविल सेवकों को प्रोत्साहन दिया जाये, तथा इनके ऊपर लगे

Scanned by CamScanner

आरोपों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से निपटाया जाये।

→ तकनीक का प्रयोग भ्रष्टाचार के जोखिम को कम कर सकता है। (उदा० - जैम ट्रिनिटी के माध्यम से यूरिया सब्सिडी का भुगतान)

→ कार्यालयों तथा कर्मचारियों को अधिक तथा कम जोखिम वाले समूह में विभक्त किया जाये ऐसे स्थान में रखकर तैनाती की जाये।

→ दुर्भावनापूर्ण शिकायतकर्ता पर भी दंड का प्रावधान हो (उदा० - व्हिसल ब्लोवर अधिनियम)

→ सरकारी कार्मियों को समयबद्ध प्रशिक्षण के द्वारा नैतिक मूल्यों का समावेश उपयुक्त कदम होगा।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The effective implementation of the Right to Information Act will create an environment of vigilance which will help in functioning of a more participatory democracy. Elaborate. **10**

सूचना के अधिकार अधिनियम का प्रभावी कार्यान्वयन एक सतर्कता का माहौल तैयार करेगा जिससे अधिक सहभागी लोकतंत्र के कार्यशील होने में सहायता मिलेगी। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम 2005, शासन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा जवाबदेही लाने एवं नागरिकों को सूचना से युक्त करने के उद्देश्यों के तहत ~~किया गया~~ लाया गया।

अधिनियम के प्रमुख प्रावधान जिनका प्रभावी कार्यान्वयन अधिक सहभागी लोकतंत्र के निर्माण में मदद करेगा।

→ धारा 4(1) के तहत सक्रिय सूचना प्रकटन: कार्यालयों की ~~भागीदारी~~ जवाबदेही में वृद्धि करेगी।

→ इस अधिनियम के तहत लोक प्राधिकारी के दायरे में राजनीतिक दलों, मानवीय न्यायालयों एवं NGO को लाना, इससे इन संस्थाओं की जवाबदेही तथा जनता की इनमें भागीदारी बढ़ेगी।

→ सक्रिय शिकायत निवारण प्रणाली (30 दिनों के भीतर) इससे जनता का इस अधिनियम में विश्वास बना रहेगा।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि RTI अधिनियम में कुछ चुनौतियाँ है, परंतु हर साल दाखिल करीब 60 लाख आवेदन जनता द्वारा की गयी भागीदारी स्पष्ट करते है। जिसे और बढ़ाया जाना चाहिए।

Scanned by CamScanner

3. **(a)** The bureaucracy technically has been an efficient form of organisation but is seen to have exceeded its administrative powers due to its tendency towards self aggrandisement, permanence in employment, and nearness to the political executive. Discuss. **10**

तकनीकी रूप से नौकरशाही संगठन का एक कुशल रूप रही है, लेकिन आत्म-उन्नयन, रोजगार में स्थायित्व और राजनीतिक कार्यकारी से निकटता की प्रवृत्ति के कारण यह अपनी प्रशासनिक शक्तियों का अतिक्रमण करता है। चर्चा कीजिए।

नौकरशाही भारत की एकता अखंडता सुनिश्चित करने हेतु एक इस्पात के ढांचे की तरह कार्य करती आयी है।

~~परंतु प्रशा~~

आत्म उन्नयन (अपने आप को शासक समझना, विवेकाधिकार का दुरुपयोग)

+

रोजगार मे स्थायित्व (अनुच्छेद 311)

+

राजनीतिक कार्यकारी से निकटता (स्थानांतरण, पदोन्नति में निर्भरता)

⇓

भ्रष्टाचार, गैरजवाबदेहीता, निरंकुशता, भाई भतीजावाद (प्रशासनिक शक्तियों का अतिक्रमण)

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Social media has played a key role in influencing political opinions and social attitudes in India. Comment. **10**

भारत में सोशल मीडिया ने राजनीतिक मतों और सामाजिक अभिवृत्तियों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। टिप्पणी कीजिए।

सोशल मीडिया संचार के सबसे तीव्र माध्यम के रूप में उभरा है। वर्तमान में फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे 'माध्यमों का प्रयोग करके भारत में राजनीतिक मतों एवं सामाजिक अभिवृत्तियों को सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनो रूप में प्रभावित किया गया है।

सकारात्मक - सामाजिक मुद्दो जैसे- दहेज, बाल विवाह, स्त्रियों की समानता के अधिकारों के प्रति मतैक्य का निर्माण हुआ है।

→ विभिन्न राजनीतिक एवं विकासात्मक मुद्दों पर सरकार द्वारा जनता एवं सिविल सोसाइटी से मत प्राप्त करने हेतु इसका प्रयोग बढ़ रहा है।

→ राजनीतिक महत्व के मुद्दो, सामाजिक भेदभाव, प्रशासन की असंवेदनशीलता के मामलों को तत्काल उजागर करके इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नकारात्मक : सोशल मीडिया पर विभिन्न सांप्रदायिक एवं जातिगत समूहों की उपस्थिति कई बार समाज में अविश्वास बढ़ाती है।

→ राजनीति के मुद्दों को जातिवाद, संप्रदायवाद आधारित मुद्दों में बदलकर ध्रुवीकरण के प्रयास किये जाते हैं।

→ वर्तमान में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ने नयी नैतिक दुविधा को जन्म दिया है, जिसमें महिलाओं के प्रति अश्लील कमेंट, भद्दी टिप्पणियाँ, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग इत्यादि मानसिक अवसाद, एवं स्वास्थ्य समस्या को जन्म दे रहा है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** "Nonviolence is not servile passivity but a powerful moral force which makes for social transformation". Comment. **10**

"अहिंसा दासत्व जैसी निष्क्रियता नहीं है बल्कि एक शक्तिशाली नैतिक बल है जो सामाजिक परिवर्तन में मदद करता है"। टिप्पणी कीजिए।

महात्मा गांधी ने अहिंसा को अपने सर्वप्रमुख अस्त्र के रूप में अपनाकर उपर्युक्त कथन को सिद्ध किया है।

उनके अनुसार एक दास अगर अपने मालिक के अत्याचारों का प्रतिरोध नहीं कर रहा है तो इसका मतलब अहिंसा नहीं बल्कि डर एवं दासत्व है।

→ उन्होंने अहिंसा जैसे अस्त्र का प्रयोग अंग्रेजों जैसे शोषणकारी एवं साम्राज्यवादी शक्ति के खिलाफ किया तथा भारत को आजादी दिलाई।

→ अहिंसा के प्रयोग द्वारा किसी व्यक्ति अथवा समाज मे नैतिक परिवर्तन लाया जा सकता है, क्योंकि हिंसक प्रतिरोध जहाँ दमन को जन्म देता है वहीं अहिंसा लोगों की सहानुभूति एवं गुडविल इकट्ठा करती है।

→ अहिंसा के द्वारा लोगों का संगठन एवं समूह तैयार किया जा सकता है, जो कठिन से कठिन एवं

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

शक्तिशाली से शक्तिशाली शक्ति को
अहिंसा परिवर्तित कर सकती है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** It is at the interface of public action and private interest that the need arises for establishing not just a code of ethics but a code of conduct. In this context, highlight the need for drafting a code of ethics as well as a code of conduct. **10**

यह सार्वजनिक कार्रवाई और निजी हित के अंतरफलक (इंटरफ़ेस) पर है, जिससे न केवल नैतिक संहिता बल्कि आचार संहिता तैयार करने की आवश्यकता उत्पन्न होती है। इस संदर्भ में, नैतिक संहिता के साथ-साथ आचार संहिता का प्रारूप तैयार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Income inequality is a matter of grave concern for the Indian society. In this context, examine the relevance of Gandhiji's concepts of 'Sarvodaya' and 'Trusteeship'. **10**

भारतीय समाज के लिए आय असमानता एक गंभीर चिंता का विषय है। इस संदर्भ में, गांधीजी की 'सर्वोदय' और 'न्यासिता' (ट्रस्टीशिप) की अवधारणाओं की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

वर्तमान में भारत के ऊपरी 1% लोग 50% से अधिक संपत्ति को धारण करते हैं यह तथ्य भारत में आय की असमानता को स्पष्ट करता है।

गांधी जी ने इस समस्या से निपटने हेतु ट्रस्टीशिप एवं सर्वोदय की अवधारणाओं को प्रतिपादित किया।

→ ट्रस्टीशिप के सिद्धान्त में उद्योगपतियों को संपत्ति के रखवाले के रूप में घोषित किया गया है जो सार्वजनिक हित के लिए इसका प्रयोग करेंगे।

→ वर्तमान में ~~बारेन बफे~~ गेट्स-बफेट मॉडल में ट्रस्टीशिप सिद्धान्त की झलक देखी जा सकती है।

→ इसमें निजी गतिविधियों पर रोक नहीं लगाने तथा आय का प्रयोग गरीबों के कल्याण हेतु किया गया है, जो नवाचार को बढ़ाने के साथ असमानता भी दूर करेगा।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसी प्रकार सर्वोदय के सिद्धान्त के तहत गांधीजी समाज के आखिरी पायदान पर मौजूद व्यक्ति के उदय की कल्पना करते है।

→ वर्तमान ग्राम स्वरोजगार योजनाओं, मनरेगा, स्वंय सहायता समूहो, सहकारी सोसाइटी तथा ग्राम पंचायतो मे गांधी जी के सर्वोदय की झलक देखी जा सकती है।

→ इससे न केवल गरीबो को मदद मिल रही है, बल्कि उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन भी हुआ है।

इस प्रकार वर्तमान समाज मे गांधी जी के उपरोक्त दोनो विचार प्रासंगीक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** It does not take long for conflict to turn violent when deep seeded prejudices and discriminatory attitudes are not addressed. Discuss in the context of communal and caste-based violence in India. What role should the state play in this context? **10**

गहरे पूर्वाग्रहों और भेदभावपूर्ण अभिवृत्तियों के दूर नहीं होने की स्थिति में टकराव को हिंसात्मक होने में लंबा समय नहीं लगता है। भारत में सांप्रदायिक और जाति आधारित हिंसा के संदर्भ में चर्चा कीजिए। इस संदर्भ में राज्य को क्या भूमिका निभानी चाहिए?

भारत में वर्तमान में जाति आधारित एवं सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ने के प्रमुख कारणों में पूर्वाग्रह तथा भेदभाव पूर्ण अभिवृत्तियों को माना गया है।

पूर्वाग्रह तथा भेदभाव अभिवृत्तियाँ

↓

अविश्वास को जन्म देती है।

↓

तात्कालिक घटनाएं (आरक्षण की माँग, गौहत्याएं इत्यादि) हिंसा में परिवर्तन कर देती है।

<u>राज्य की भूमिका</u>

→ समन्वयकारी भूमिका हो।

→ सांप्रदायिक एवं जातिगत विश्वास को बढ़ावा दे।

→ विधि का शासन लागू हो, तथा दोषियों को कड़ी सजा मिले जिससे हिंसा कम होगी।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- भावनात्मक विरोध को जन्म देने वाले राजनेताओं एवं लोगों पर अंकुश लगायें।
- सभी हितधारकों का सहयोग एवं समन्वय सुनिश्चित करें (जागरूकता कार्यक्रमों के द्वारा)

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Explain with examples how emotional intelligence increases the effectiveness of leadership skills in a civil servant. 10

उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार भावनात्मक समझ (बुद्धि) एक सिविल सेवक में नेतृत्व कौशल की प्रभावशीलता में वृद्धि करती है।

भावनात्मक समझ किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं की भावनाओं तथा दूसरों की भावनाओं को समझते हुये, सही निर्णय लेने में मदद करती है।

यह एक सिविल सेवक मे नेतृत्व कौशल की प्रभावशीलता में निम्न प्रकार से वृद्धि करती है।

→ भावनात्मक कौशल से युक्त सिविल सेवक अपने कनिष्ठों तथा वरिष्ठों से उपर्युक्त संचार कौशल से जुड़ा रहता है तथा सभी कर्मी संतुष्ट रहते हैं।

→ वित्त की कमी, जनता की अधिक अपेक्षायें, राजनीतिक तथा सिविल समाज का दबाव इत्यादि बहुआयामी चुनौतियाँ भी तनाव का कारण बन सकती हैं। भावनात्मक कौशल युक्त व्यक्ति हेतु सामान्य होती है।

→ वह कठोर निर्णय लेने में हिचकता नहीं है, तथा राजनीतिक कार्यकारिणी को सही सलाह प्रदान करता है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सिविल सेवा में विवेकाहीन शक्तियों का उचित प्रयोग भावनात्मक कौशल युक्त व्यक्ति ही कर सकता है। वह पलायनवादिता के बजाय समस्या से जूझने में अधिक रुचि दिखाता है।

इस प्रकार भावनात्मक कौशल सिविल सेवक में धैर्य, आवेग की कमी, साहस तथा प्रतिबद्धता जैसे गुणों का समावेश करती है, जो उसके सफल होने के लिए आवश्यक है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

7. A Citizens' Charter sees public services through the eyes of those who use them. In this context, analyze the importance of citizen charter in making public services citizen centric. 10

सिटिजन चार्टर उन लोगों की दृष्टि से सार्वजनिक सेवाओं को देखता है जो इनका उपयोग करते हैं। इस संदर्भ में, सार्वजनिक सेवाओं को नागरिक केंद्रित बनाने में सिटिजन चार्टर के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

सिटिजन चार्टर कार्यालयों में मौजूद घोषणा-पत्र होता है, जिसमें सेवाओं की उपलब्धता, समय-सीमा, गुणवत्ता, सेवाओं का मानक स्तर, ग्राहकों हेतु विकल्प एवं शिकायत निवारण प्रणाली दर्ज होता है।

अर्थात यह उपयोगकर्ता की दृष्टि से सार्वजनिक सेवाओं को लक्षित करता है। सिटिजन चार्टर का महत्व निम्न है।

- नागरिक अपने सेवाओं के प्रदाता प्राधिकारी तक पहुँच रखता है।
- स्पष्ट समय सीमा के उल्लेख के द्वारा वह समय बद्ध सेवा प्राप्ति की उम्मीद रखता है।
- भ्रष्टाचार तथा असंवेदनशीलता से नागरिकों के जूझने में कमी।
- सेवाओं का उपयुक्त मानक स्तर तथा गुणवत्ता प्राप्त होती है।
- शिकायत निवारण प्रणाली नागरिक सशक्तिकरण का एक प्रमुख माध्यम भी है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कमियाँ - सेवाओं का समयबद्ध अद्यतन नहीं।

- स्थानीय नागरिकों एवं कर्मचारियों की चार्टर निर्माण में भागीदारी नहीं

→ कर्मचारियों को प्रशिक्षण का अभाव

→ भाषाई समस्या।

इस प्रकार उपरोक्त चुनौतियों को दूर करने के माध्यम से सिटिजन चार्टर की गुणवत्ता को बढ़ाकर उसे और अधिक नागरिक केन्द्रित बनाया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Given the effects that cultural attitudes about menstruation have on women, there is need to follow a strategic approach in combating these. Discuss. **10**

महिलाओं पर पड़ने वाले रजोधर्म के सांस्कृतिक अभिवृत्तियों के प्रभावों को देखते हुए, इनसे निपटने में रणनीतिक दृष्टिकोण का अनुसरण करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

"रजोधर्म" महिलाओ की एक जैविक अथवा शारिरिक अवस्था होती है, जिसे समाज मे भिन्न मानसिकता से देखा जाता है।

भारत में रजोधर्म से प्रभावित महिलाओं को अशुद्ध समझना, उन्हे परिवार से अलग रखना, किचन में न जाने देना इत्यादि नकारात्मक सांस्कृतिक अभिवृत्तियों को देखते हुये एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाये जाने की आवश्यकता है।

→ लोगों में जागरूकता के अभाव के कारण यह नियमित शारिरिक अवस्था मानसिक एवं शारिरिक स्वास्थ्य को बिगाड़ने का कार्य करती है।

→ इस समय स्वच्छता की कमी तथा ग्रामीण ईलाकों में प्राय: रूई, कपड़े, एवं पुआल के प्रयोग ने (भारत में 50% से अधिक स्त्रियो को हाइजिनिक पैड उपलब्ध नहीं है) महिलाओं में जननांगी संबोधित स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दिया है।

<u>समाधान</u> : समाज में जागरूकता

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हेतु नुक्कड़ नाटक, लक्षित विज्ञापन एवं फिल्मों के द्वारा इस अभिवृत्ति में परिवर्तन लाया जाये।

→ सेलिब्रिटिज का प्रयोग अनुनयन के माध्यम के रूप में किया जाये (उदा० अक्षय कुमार की पैडमैन फिल्म का अनुकरण किया जाये)

इस प्रकार रणनीतिक कार्यवाहियाँ एवं हाइजीनिक, बायोडिग्रेडेबल मेन्स्ट्रुरेशन पैड के प्रयोग को बढ़ावा देकर इस नकारात्मक सामाजिक अभिवृत्ति को दूर किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. As the District Magistrate you are posted in a district that had been infamous for girl-child marriages. The government introduced a contributory scheme two decades ago, where the government contributed the same amount as the parents, into an account, for their girl child of age 0 to 7 years. The total sum could be withdrawn only when the girl turns eighteen and is unmarried. Due to this scheme, a new pattern has emerged. All girls are married as soon as they turn eighteen and incidents of dowry have increased substantially – because the community customs require paying the sum commensurate to the age of the girl. Further, parents now tend to save money for the scheme instead of investing in girl's education. As the local administration tries to tackle the current situation it looks up to you for ideas and leadership:

(a) Identify the factors which have led to such outcomes. **20**

(b) Devise a strategy, keeping in mind the multiple aspects of the situation.

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में आप एक ऐसे जिले में तैनात हैं जो बालिका-बाल विवाह के लिए बदनाम रहा था। सरकार ने दो दशक पहले एक अंशदायी योजना आरंभ की थी, जिसके अंतर्गत 0 से 7 वर्ष की बालिका के लिए खोले गए खाते में, सरकार उनके माता-पिता जितनी राशि का योगदान देती थी। बालिका के 18 वर्ष की आयु के हो जाने और अविवाहित रहने पर ही कुल राशि निकाली जा सकती थी। इस योजना के कारण, एक नया पैटर्न उभरा है। सभी बालिकाओं की 18 वर्ष के होते ही शादी कर दी जाती है और दहेज की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं- क्योंकि समुदाय की प्रथाएं बालिका की आयु के अनुरूप राशि का भुगतान करने की मांग करती हैं। इसके अतिरिक्त, अब माता-पिता बालिका की शिक्षा में निवेश करने के स्थान पर योजना के लिए पैसा बचाने लगे हैं। चूंकि स्थानीय प्रशासन वर्तमान स्थिति से निपटने का प्रयास कर रहा है, अत: वह आपसे आपके विचारों और नेतृत्वशीलता की अपेक्षा कर रहा है:

(a) उन कारकों की पहचान कीजिए जिसके कारण ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं।

(b) इस स्थिति के बहु-आयामों को ध्यान में रखते हुए, एक रणनीति तैयार कीजिए।

मामले में निहित मुद्दे - बाल विवाह की समस्या से निपटने हेतु चलाई गयी योजना का नागरिक समुदाय के ऊपर सकारात्मक के बजाय नकारात्मक प्रभाव प्रतीत हो रहा है।
ऐसा लोगों की

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बालिकाओं, उनकी शिक्षा तथा उनकी आयु के परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक मनोवृत्ति के कारण हो रहा है।

एक मजिस्ट्रेट के रूप में मुझे भावनात्मक बुद्धिमता, अनुनयन के माध्यम से समझाने जैसे मुद्दों का प्रयोग करते हुये स्थानीय प्रशासन की मदद करनी है।

(a) ऐसी स्थिति के लिए जिम्मेदार कारक —

- समाज में बालिकाओं के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति। (पितृसत्तात्मक समाज)
→ दहेज कानून का खराब प्रवर्तन - क्योंकि बच्ची के उम्र के साथ दहेज की मॉंग में वृद्धि प्राप्त होती है।
→ समाज में बालिका शिक्षा को अवसर के तौर पर नहीं देखा जाना। प्रायः अधिक शिक्षा प्राप्त बालिका पर अधिक दहेज की समस्या।
→ रूढ़िवादी सामुदायिक प्रथायें।
→ बालिकाओं की आर्थिक उत्पादनशीलता को कम करके ऑंकना।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सरकारी योजना का दुरुपयोग दहेज जैसी अमानवीय, असम्मानीय एवं गैरकानूनी प्रथा को बढ़ाने हेतु किया जाना।

(b) चूंकि उपरोक्त समस्या वर्षों से चली आ रही भेदभाव एवं पितृसत्तात्मक सोच के कारण उत्पन्न हुयी है, अतः इससे निपटने हेतु निम्न रणनीति की आवश्यकता होगी।

तात्कालिक उपाय: दहेज विरोधी कानून का सख्त क्रियान्वयन; शादी - विवाह समारोहों पर कड़ी नजर रखना।

→ सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना में शिक्षा के स्तर का एक तत्व जोड़ना (हाईस्कूल शिक्षा प्राप्त करने के बाद ही धन निकासी)

→ चूंकि 18 वर्ष की आयु के बाद विवाह कानूनी रूप से अवैध नहीं है। अतः मनोवृत्ति परिवर्तन हेतु निम्न

दीर्घकालिक उपाय:

→ सिविल सोसाइटी, स्कूलों तथा समाज के पढ़े-लिखे वर्गों द्वारा जागरूकता अभियान का संचालन।

Scanned by CamScanner

→ कम उम्र में विवाह संबंधी स्वास्थ्य एवं मानसिक दबावों को उद्धृत किया जाये।

→ दहेज को स्त्री की गरिमा तथा लेने वाले परिवार के बालक की गरिमा के हनन के रूप में देखने की मनोवृत्ति का विकास किया जाये।

→ सरकारी योजनाओं में बालिका शिक्षा के प्रति ध्यान रखते हुये अधिक से अधिक छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जायें।

→ महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार के अवसर (स्टार्टअप, स्टैंडअप, नयी रोशनी इत्यादि) अधिक से अधिक मुहैया कराया जाये, जिससे उन्हें आर्थिक बोझ समझे जाने वाली मनोवृत्ति कम होगी।

→ बालिका - बालक प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया जाये, तथा पंचायत एवं जिला स्तर पर प्रतियोगितायें आयोजित किये जायें।

उपरोक्त सुझावों के माध्यम से इस जटिल चुनौती से निपटा जा सकता है।

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. While on the one hand, some state governments have implemented alcohol consumption prohibition laws, it is permitted in other states. Debates around this issue often involves aspects such as individual rights, cultural attitudes and social welfare. As a teacher you need to explain the key issues involved to a young audience. What are these? How would you conclude the lecture? **20**

एक और जहां कुछ राज्य सरकारों ने मद्यपान निषेध कानून लागू किए हैं, वहीं अन्य राज्यों में इसकी अनुमति है। इस मुद्दे पर बहस में प्राय: व्यक्तिगत अधिकार, सांस्कृतिक अभिवृत्ति और सामाजिक कल्याण जैसे पहलु सम्मिलित होते हैं। एक शिक्षक के रूप में आपको युवा श्रोताओं को इसमें सम्मिलित महत्वपूर्ण मुद्दों को समझाना है। ये मुद्दें क्या हैं? आप आपने व्याख्यान के निष्कर्ष में क्या कहेंगे?

मद्यपान भारत जैसे विकासशील देश में ऐसी समस्या है, जो गरीब - अमीर की खाई चौड़ी करने, युवाओं को रास्ता भटकाने, स्वास्थ्य संबंधी चुनौती उत्पन्न करने तथा सामाजिक अपराध (घरेलू हिंसा, बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव) को जन्म देती है।

इससे संबंधित ~~नैतिक~~ महत्वपूर्ण मुद्दे निम्न है।

→ व्यक्तिगत अधिकार बनाम सामाजिक अधिकार

→ मद्यपान निषेध कानूनों का उल्लंघन जिससे तस्करी तथा अवैध ~~शराब~~ को बढ़ावा मिलता है।

→ गरीबों में अवैध शराब (जहरीली शराब) के कारण स्वास्थ्य हानि, आजीविका हानि तथा परिवार का गरीबी रेखा

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से नीचे आ जाना।
→ पारिवारिक शराब के दुरुपयोग से परिवार का विघटन तथा बच्चों पर नकारात्मक मानसिक प्रभाव (हिंसा तथा बाल-अपराध में वृद्धि।)
→ सरकार द्वारा इसके दुष्प्रभावों को कम करने की आर्थिक लागत (प्रचार अभियान, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता।)
→ एक नशे के रूप में व्यक्तिगत नैतिकता का ह्रास तथा स्त्रियों से संबंधित अपराधों में वृद्धि।
→ शराब-पीकर गाड़ी चलाने से सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि (कुल सड़क दुर्घटनाओं का लगभग 50%)

(Ans B) भारतीय समाज चूँकि व्यक्तिवादी समाज नहीं है। (पाश्चात्य की तरह) अतः भारत में सामाजिक हितों को व्यक्तिगत हितों पर अधिक महत्व दिया जाता है, तथा शराब के प्रति सामान्यतः नकारात्मक अभिवृत्ति है अतः मैं (एक शिक्षक के रूप में) निम्न बातों को निष्कर्ष में रखूँगा। —

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- मद्यपान निषेध की संस्कृति हालांकि तात्कालिक तौर पर तो शराब उपभोग में कमी कर सकती है, परंतु दीर्घकालिक तौर पर यह अनेकों कानूनी समस्याओं (तस्करी, जहरीली शराब इत्यादि) को जन्म दे सकती है। अतः मनोवृत्ति में परिवर्तन की आवश्यकता है।

→ चूंकि शराब व्यक्ति के निर्णय लेने की क्षमता को बाधित करती है, अतः इसके विरोध में जागरूकता कार्यक्रम, सिविल सोसाइटी का सहयोग, तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का सहयोग आवश्यक है।

→ इस व्यापक समस्या से निपटने हेतु विशेषकर बच्चों में इसके दुष्प्रभावों को समझाया जाये, सिनेमा हाल में, शराब की बोतलों पर चेतावनी दी जाये।

→ अन्त में मैं व्यक्तिगत चुनाव की स्वतंत्रता को भी महत्व देते हुये इस सामाजिक समस्या का समाधान समाज के द्वारा ही हो। कानून का प्रयोग केवल पूरक की

Scanned by CamScanner

ભૂમિકા માં બે ઉદા કહિ આપતા
વ્યાખ્યાન સમાપ્ત કરીશ।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. As a concerned citizen you have been engaged with the issue of persons employed in manual scavenging. You notice that despite laws and strictures from the highest court of the land the practice of employing human labour to clean sewers continues. While the administration has to ensure the cleanliness of the urban localities, those who are employed also have to earn to sustain themselves and their families. The death of few workers recently due to asphyxiation while cleaning a septic tank has caused much consternation in your locality. You would like to engage with the situation by writing to the administration, for which you need to find an answer to the following:

(a) Identify the stakeholders involved and state their conflicting interests.

(b) What challenges does the administration face in curbing this social evil?

(c) Enumerate the steps to deal with the problem. **20**

एक चिंतित नागरिक के रूप में आप हाथ से मैला उठाने (मैन्युअल स्कैवेंजिंग) में नियोजित लोगों के मुद्दे से जुड़े हुए हैं। आप पाते हैं कि देश के कानून और उच्चतम न्यायालय की कटु आलोचना के बावजूद सीवर साफ करने हेतु मानव श्रम नियोजित करने की प्रथा जारी है। जहां प्रशासन को शहरी क्षेत्रों की सफाई सुनिश्चित करनी है, वहीं जो लोग नियोजित हैं उन्हें अपना और अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए रोजी-रोटी भी कमानी है। हाल ही में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय श्वासावरोधन के कारण कुछ कर्मचारियों की मृत्यु ने आपके क्षेत्र में अत्यधिक संत्रास पैदा किया है। आप प्रशासन को लिखकर इस स्थिति से जुड़ना चाहते हैं, जिसके लिए आपको निम्नलिखित का उत्तर ढूंढना होगा:

(a) इसमें सम्मिलित हितधारकों की पहचान कीजिए और उनके परस्पर-विरोधी हितों का वर्णन कीजिए।

(b) इस सामाजिक बुराई पर अंकुश लगाने में प्रशासन को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है?

(c) इस समस्या से निपटने के उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

मामले से जुड़े तथ्य: हाथ से मैला उठाने की गंभीर सामाजिक समस्या, सीवर लाईन साफ करने संबंधित प्रशासनिक मजबूरी, तथा आजीविका हेतु कुछ लोगों द्वारा इस घृणित कार्य में शामिल होना।

→ इसी क्रम में सीवेज सफाई के दौरान कुछ कर्मचारियों की

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मृत्यु के बाद मेरे द्वारा प्रशासन से इस संदर्भ में बात की जानी है।

(a) मामले से संबंधित हितधारक

→ हाथ से मैला उठाने वाले कर्मचारी।

→ इनका नियोजन करने वाले लोग (शहरी प्रशासन)

→ एक चिंतित नागरिक के रूप में मैं स्वयं।

→ सरकार और माननीय उच्चतम न्यायालय क्योंकि इनके कानूनों तथा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हो रहा है।

→ सफाई कर्मचारी जो मृत्यु का शिकार हुए

→ उनके परिजन।

परस्पर विरोधी हित -

→ जहाँ एक तरफ प्रशासन को सीवेज लाईन तथा शुष्क शौचालयों की सफाई करानी है, वहीं सरकारी कानून इसकी अनुमति नहीं देते। (मैला ढोने वाले श्रमिकों का नियोजन (निषेध) एवं पुनर्वास अधिनियम (2013))

→ एक नागरिक के रूप में मैं जहाँ उनकी (मैला ढोने वालों) की समस्या का समाधान करना चाहता हूँ, वहीं

Scanned by CamScanner

मैला ढोने वाले आजीविका के अन्य अवसरों की उपलब्धता की कमी के कारण नियोजित है। (जैसे रोजी-रोटी की व्यवस्था करती है।)

अतः अथाह तकनीकी प्रगति के बाद भी यह समस्या विद्यमान है।

(b) चुनौतियाँ -

→ आजीविका के अन्य अवसरों की कमी।

→ समस्या का समाज के ऐतिहासिक निकृष्ट जातिवाद की प्रथा से जुड़ा होना (जिसमें तथाकथित निचली जातियों को हाथ से मैला उठाने हेतु नियोजित किया जाता था)

→ देश में 26 लाख शुष्क शौचालय तथा 7 लाख से अधिक किलोमीटर की सीवर लाइन जो इन कर्मचारियों की माँग बढ़ाती रहती है।

→ कानून का खराब प्रवर्तन तथा इनके पुनर्वास में देरी।

→ मैला ढोने के वैकल्पिक तथा तकनीकी समाधान की अनुपलब्धता।

→ नियोजित तथा नियोजन करने वालों की नकारात्मक अभिवृत्ति।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समस्या से निपटने के उपाय :

→ ~~शुष्क शौचालयों पर तत्काल रोक सुनिश्चित की जाये।~~

→ मांग पक्ष : शुष्क शौचालयों पर रोक लगायी जाये।

→ बायो शौचालय तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों के निर्माण में तेजी।

→ उपयोगकर्ताओं को कड़ा आर्थिक दंड तथा सामाजिक बहिष्कार।

→ सीवेज लाईनों को आधुनिक बनाया जाये, जिससे वे जाम न हों। (प्लास्टिक, औद्योगिक कचरा तथा मानवीय अपशिष्ट हेतु अलग सीवेज लाईन)

→ शहरी नियोजन में सीवेज का स्थान।

आपूर्ति पक्ष - मैला ढोने वालों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जाये (स्वरोजगार तथा आवास निर्माण एवं नौकरियों में आरक्षण द्वारा)

→ आधुनिक तकनीक का प्रयोग तथा सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग को

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बाद ही सीवेज में छोड़ा किया जाये।

इस दिशा में भारत सरकार द्वारा हाल ही प्रौद्योगिकी चुनौती का आयोजन किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है।

Scanned by CamScanner

12. You are a teacher in the Science department of a reputed college. Your HoD (Head of Department) has been a good mentor to you and has guided your career progress. You get to know from one of your students that the HoD gives private tuitions at his residence, which is disliked by many others in the department. There are also rumours that he might be giving extra marks to the students taking his tuitions. When enquired, his reply is that he is not alone and a few other teachers are giving private tuitions as well. He assures you that it is beneficial for the students as some of them need extra attention. He advises you not to make a fuss about it and indirectly reminds you about the assessment rating, which is due this week. You are aware that a good rating will definitely get you the due promotion. The HoD is due to retire in 4 months.

(a) What are the dilemmas that you face in this situation?

(b) Highlight the course of action that you would adopt and give reasons for the same. **20**

आप एक प्रतिष्ठित कॉलेज के विज्ञान विभाग में एक शिक्षक हैं। आपके विभागाध्यक्ष आपके अच्छे परामर्शदाता रहे हैं और आपके करियर की प्रगति में उन्होंने आपका मार्गदर्शन किया है। आपको अपने एक छात्र से पता चलता है कि विभागाध्यक्ष अपने निवास पर निजी ट्यूशन प्रदान करते हैं, जिसे विभाग में कई अन्य लोगों द्वारा नापसंद किया जाता है। इस बात की भी अफवाहें हैं कि वह अपना ट्यूशन लेने वाले छात्रों को अतिरिक्त अंक दे रहे हैं। पूछे जाने पर उनका उत्तर है कि वह अकेले नहीं हैं और साथ ही कुछ अन्य शिक्षक भी निजी ट्यूशन दे रहे हैं। वह आपको आश्वस्त करते हैं कि यह छात्रों के लिए लाभदायक है क्योंकि उनमें से कुछ पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। वह आपको इस संबंध में हंगामा न मचाने का परामर्श देते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से आपको मूल्यांकन रेटिंग के संबंध में याद दिलाते हैं, जो इसी सप्ताह नियत है। आप जानते हैं कि अच्छी रेटिंग से निश्चित रूप से आपको उचित पदोन्नति मिलेगी। विभागाध्यक्ष चार महीने में रिटायर होने वाले हैं।

(a) इस स्थिति में आप किन दुविधाओं का सामना कर रहे हैं?

(b) उस कार्यवाही पर प्रकाश डालिए जिसे आप अपनाएंगे और इसके कारण बताइए।

मामले से संबंधित हितधारक

→ विभागाध्यक्ष

→ ट्यूशन पढ़ने वाले छात्र

→ ट्यूशन नहीं पढ़ने वाले छात्र

→ अन्य शिक्षक जो ट्यूशन पढ़ाते हैं।

→ एक शिक्षक के रूप में मैं स्वयं।

Scanned by CamScanner

(ब) नैतिक दुविधाएँ :

→ कोचिंग पढ़ने वाले छात्रों तथा न पढ़ने वाले छात्रों के समानता के अधिकार का हनन।

→ इस मामले को कॉलेज के अन्य प्रबंधन के सामने रखने का सार्वजनिक हित बनाम अगले हफ्ते होने वाले मूल्यांकन में अच्छे अंक प्राप्ति का निजी हित।

→ यह संभव है, कि शिक्षकों द्वारा निजी ट्यूशन पढ़ाने के लिए कक्षा की पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा हो। (अर्थात निजी एवं व्यावसायिक हितों का टकराव)

→ इससे वे छात्र जो अच्छे भविष्य की चाह में यहाँ पर आये हैं, उनकी संभावनाओं का क्षरण हो रहा है।

कार्यवाही : सर्वप्रथम मैं विभागाध्यक्ष से इस मामले में स्वयं बात करके उन्हें उनके दायित्वों को याद दिलाऊँगा।

→ ~~उन्हें यह भी समझाऊँगा~~ उन्हें इस संदर्भ में एक मीटिंग आयोजित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करने का आग्रह करूँगा जिससे अन्य शिक्षक जो ऐसी गतिविधियों में लिप्त है, उनसे भी स्पष्टीकरण माँगा जाये।

→ छात्रों से भी आग्रह करूँगा की वे निजी कोचिंग में न जाये, तथा कक्षा की पढ़ाई को महत्व दें। (उनके मध्य एकमत बनाने का प्रयास करूँगा।)

→ अंत में उच्च प्रबंधन तक इस मामले की सूचना भी अवश्य दूँगा। ताकि

कारण: यहाँ पर मेरे निजी हितों अर्थात पदोन्नति की संभावनाओं की हानि हो सकती है परंतु छात्रों का भविष्य अधिक महत्वपूर्ण है।

→ हितों के टकराव से कक्षा का माहौल बिगड़ सकता है, जो भविष्य में गुटबाजी को जन्म दे सकता है, अब ऐसा नहीं होगा।

→ उच्च प्रबंधन से शिकायत करने का लाभ यह होगा की भविष्य में ऐसी गतिविधियाँ पुनः नहीं हो इसके उपाय किये जायेंगे।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रकार उपरोक्त विधि के माध्यम से मैं अपने शिक्षक होने के दायित्वों का पालन भली भाँति कर सकूँगा।

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. While stampedes and mishaps due to overcrowding have led to loss of lives on multiple occasions, it remains an issue discussed only when there is a tragedy. Recently you were assigned the responsibility of conducting a mela around a revered religious place, which attracts millions of devotees. Every year the numbers have been increasing and this year due to certain celestial alignments the crowd is expected to be unprecedented. In the previous year the officer in charge was criticised and transferred over allegations of hurting religious sensitivities by restricting access to the religious place. You have three months to prepare for the mela.

(a) Identify the key areas you would focus on?

(b) What are the challenges that you foresee?

(c) How do you propose to overcome them? **20**

यद्यपि भीड़-भाड़ की वजह से होने वाली भगदड़ और दुर्घटनाओं के कारण कई अवसरों पर जीवन की क्षति हुई है, तथापि यह केवल किसी त्रासदी के घटित होने के उपरांत ही चर्चा किया जाने वाला एक मुद्दा बनकर रह गया है। हाल ही में आपको लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करने वाले एक पूजनीय धार्मिक स्थल के निकट एक मेला के संचालन का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। मेले में प्रति वर्ष संख्या बढ़ती रही है और इस वर्ष कुछ विशेष खगोलीय संरेखण के कारण अभूतपूर्व भीड़ होने की आशा है। पिछले वर्ष प्रभारी अधिकारी की आलोचना हुई थी और धार्मिक स्थल पर पहुंच को प्रतिबंधित करके धार्मिक संवेदनाओं को आघात पहुंचाने के आरोप में उनका स्थानांतरण कर दिया गया था। मेला की तैयारी करने हेतु आपके पास तीन महीने हैं।

(a) उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कीजिए जिन पर आप ध्यान केंद्रित करेंगे?

(b) आप कौन-सी भावी चुनौतियां देख पा रहे हैं?

(c) उन पर काबू पाने हेतु आपका क्या प्रस्ताव है?

मुद्दे: धार्मिक आस्था के कारण भीड़ अनियंत्रित होने की संभावना, जिससे भगदड़ जैसी समस्या होने की आशंका।

एक प्रभारी अधिकारी के रूप में भीड़ का सही ढंग से संचालन मेरा कर्तव्य है।

(ख)

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) महत्वपूर्ण सेंतो की पहचान-
→ निकासी का मार्ग।
→ भीड़ के एकत्रित होने का स्थान।
→ वहाँ पर मौजूद अस्थाई एवं गैरकानूनी अवसंरचनाएँ, जो दुर्घटना का कारण बनती है।
→ भीड़ की संख्या का सही पूर्वअनुमान
→ उन्हें नियंत्रित करने हेतु आवश्यक कार्य बल।
→ आपदा की स्थिति में लोगों को रवाली कराने के उपाय।
→ भगदड़ की स्थिति में वैकल्पिक स्थान जहाँ लोग एकत्रित हो सकें।
→ भीड़ व्यवहार का अध्ययन (क्योंकि अफवाह सुनकर लोग इधर-उधर भागते है)

(b) भावी चुनौतियाँ:
— धार्मिक स्थल पर लोगों की सामान्य आवाजाही सुनिश्चित करना (जिससे धार्मिक भावनाएँ आहत न हो)

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ भीड़ का प्रबंधन तथा उन्हे अफवाहों से बचाना।

→ भीड़ का उचित पूर्वानुमान एक चुनौती है, जो सुरक्षा बलों की संख्या निर्धारित करेगी।

→ श्रद्धालुओं के आगमन के कारण यहाँ वहाँ अस्थाई अवसंरचनाओं का निर्माण कर दिया जाता है, जो भीड़ में अधिक नुकसान का कारण बनती हैं (इसको हटाने की चुनौती)

→ किसी समस्या होने के कारण अपनी नौकरी के प्रति संकट।

ⓒ काबू पाने हेतु प्रस्ताव -

→ भीड़ की संख्या का सही पूर्वानुमान लगाने हेतु पिछले कई सालों का डेटा विश्लेषण किया जाये।

→ अस्थाई अवसंरचनाओं का निर्माण रोका जाये, तथा बाजार एवं दैनिक वस्तुओं हेतु अलग स्थान दिया जाये।

→ आग से बचाव के यंत्र, दवाओं एवं एम्बुलेंस की उचित व्यवस्था की जाये।

→ भीड़ से निपटने हेतु NDRF के

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हाल के दिशा निर्देशों का पालन किया जाये।

→ भीड़ में अफवाह का प्रसार न हो अतः उचित दूरी पर सुरक्षा बलों की तैनाती की जाये।

इस प्रकार उपरोक्त उपायों को अपनाकर तथा भीड़ को समुदाय में बदलकर इस प्रकार की आपदा से निपटा जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. You are a senior official at a government agency that is responsible for collection, storage and protection of biometric data of citizens. Due to the expanse of operations, the agency employs third parties for collection of data. There have been reports of security breach and leakage of data by third parties in exchange of money. A journalist from a prominent newspaper carries a sting operation and releases some data in the public to show the ongoing corruption and highlighting the inability of the agency in protecting public data. You are asked by the chairperson of the agency to file an FIR against the journalist and pursue criminal proceedings against him considering it an act of unauthorized access.

(a) Do you agree with the action sought by the chairperson against the journalist? Give appropriate reasons for your answer.

(b) If you disagree, what would be your course of action?

(c) Do you think the action of the journalist is justified? **20**

आप नागरिकों के बायोमेट्रिक आंकड़ों के संग्रहण, भंडारण और संरक्षण हेतु उत्तरदायी एक सरकारी एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। परिचालन विस्तार के कारण एजेंसी, आंकड़ा संग्रहण हेतु तृतीय पक्ष को नियोजित करता है। तृतीय पक्ष द्वारा पैसा के बदले सुरक्षा उल्लंघनों और आंकड़ों के लीकेज की सूचनाएं मिली हैं। एक प्रमुख समाचार पत्र के एक पत्रकार द्वारा एक स्टिंग ऑपरेशन किया जाता है और चल रहे भ्रष्टाचार को प्रदर्शित करने वाले एवं सार्वजनिक आंकड़े सुरक्षित रखने में एजेंसी की अक्षमता उजागर करने वाले कुछ आंकड़े आम जनता के सम्मुख जारी किए जाते हैं। आपको एजेंसी के अध्यक्ष द्वारा इसे अनधिकृत पहुंच वाला का एक कार्य मानते हुए पत्रकार के विरूद्ध एक FIR दर्ज कराने और उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने के लिए कहा जाता है।

(a) क्या आप पत्रकार के विरूद्ध अध्यक्ष द्वारा चाही गई कार्रवाई से सहमत हैं? अपने उत्तर के लिए उचित कारण बताइए।

(b) यदि आप असहमत है, तो आपकी क्या कार्यवाही होगी?

(c) क्या आप मानते हैं कि पत्रकार का कार्य उचित है?

हितधारक · नागरिक: जिनका डाटा रखा गया है।

→ तृतीय पक्ष एजेंसी - जो डाटा लीक हेतु जिम्मेवार।

→ डाटा संग्रहण एजेंसी

→ डाटा संग्रहण एजेंसी के अधिकारी के रूप में मैं।

→ पत्रकार - जिसके द्वारा डाटा लीक

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की रिपोर्ट की गयी है।

मुद्दे - तृतीय पक्ष द्वारा आर्थिक हितों को महत्ता प्रदान करते हुये, डाटा लीक जैसा गैर कानूनी कार्य किया गया है।

→ पत्रकार द्वारा पत्रकारिता के मूल्यों का प्रदर्शन (स्टिंग आपरेशन, साहस, प्रतिबद्धता जनता तक सूचना पहुँचाना)

→ पत्रकार के इस कृत्य को रुचिशील की क्षमता मानना अथवा पत्रकार की अनाधिकृत कार्यवाही मानने की नैतिक दुविधा।

(a) मैं पत्रकार ~~द्वारा~~ के विरुद्ध की गयी कार्यवाही से असहमत हूँ।

कारण - यह पत्रकार द्वारा अपने व्यवसायिक नैतिकता जिसमें साहस, प्रतिस्पर्धा तथा सूचना की सत्यता को जनता के समक्ष लाने हेतु सबूत इकट्ठा करना शामिल है, किया गया है।

→ तृतीय पक्ष की भ्रष्टाचार की गलती की सजा पत्रकार पर कार्यवाही से नहीं होनी चाहिए।

→ ~~इस~~ बायोमेट्रिक जैसे संवेदनशील डाटा की लीकेज एक अत्यंत

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अपराध है। अगर पत्रकार के अलावा यह डाटा विदेशी सरकारों अथवा और अन्य आक्रमणकर्ताओं के हाथ लग जाता तो यह देश की सुरक्षा से खिलवाड़ होता।

(b) मेरी कार्यवाही :

- पत्रकार को उसके साहसिक कार्यों के लिए सम्मानित करूँगा, जिससे वह भविष्य में ऐसी कमियों को उजागर करने हेतु प्रतिबद्ध रहेगा।
→ अपनी गलतियों को सुधारने के प्रयासों के तहत सर्वप्रथम तृतीय पक्ष से भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों को निकालने तथा FIR करने का आग्रह करूँगा।
→ स्थिति की गंभीरता को देखते हुये तृतीय पक्ष से व्यापारिक संबंध खत्म किये जा सकते हैं,
→ भविष्य में पुनः ऐसी घटना दुबारा न हो इसलिए हैकरों, डाटा विश्लेषकों तथा आधिक

Scanned by CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुरक्षा उपायों का निर्धारण करेगा।

(c) चूंकि बायोमेट्रिक डेटा अति संवेदनशील होता है, अतः पत्रकार को सर्वप्रथम मेरी एजेंसी से संपर्क करना चाहिए था। तत्काल जनता को सूचना उपलब्ध कराना एवं बायोमेट्रिक डाटा को सार्वजनिक करना जल्दबाजी द्वारा कदम माना जा सकता है।

हालांकि पत्रकार द्वारा अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम हित को देखते हुए कुछ डेटा ही सार्वजनिक किया गया है। अतः यह उचित प्रतीत होता है।

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner